www.prepp.in

ALL RIGHTS RESERVED
सर्वाधिकार सुरक्षित

2022

PHILOSOPHY

दर्शनशास्त्र

Time Allowed : 3 hours | *Maximum Marks* : 300
समय : 3 घण्टे | *पूर्णांक* : 300

***Instructions* :**

- The figures in the margin indicate full marks.
- Answer **all** questions.
- Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.
- All questions have been printed both in English and Hindi. In case of any ambiguity in Hindi version, the English version shall be considered authentic.
- Parts of the same question must be answered together and must not be interposed between answers to other questions.

***अनुदेश* :**

- उपान्त के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।
- **सभी** प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
- परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
- सभी प्रश्न अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाओं में छपे हैं। यदि हिन्दी भाषा में कोई संदेह है, तो अंग्रेजी भाषा को ही प्रामाणिक माना जाएगा।
- एक ही प्रश्न के विभिन्न भागों के उत्तर अनिवार्य रूप से एक साथ ही लिखे जाएँ तथा उनके बीच में अन्य प्रश्नों के उत्तर न लिखे जाएँ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION—I

खण्ड—I

1. Answer the following short answer-type questions : 10×5=50

(a) Explain the Socratic method of philosophy.

(b) Evaluate the subjective Idealism.

(c) Explain the Nyāya views on validity of Knowledge.

(d) What is Realism? Explain its different types.

(e) How does Kant reconcile Rationalism and Empiricism? Explain.

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) सुकरात की दार्शनिक पद्धति की विवेचना कीजिए।

(ख) विषयनिष्ठ प्रत्ययवाद का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) न्याय के प्रमाण्य सम्बन्धी विचारों की व्याख्या कीजिए।

(घ) वस्तुवाद क्या है? इसके विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

(ङ) कान्ट किस प्रकार बुद्धिवाद और अनुभववाद में सामंजस्य स्थापित करता है? विवेचना कीजिए।

www.prepp.in

2. Explain the evolution of Prakṛti according to the Sāṁkhya philosophy. 50

साँख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति के विकास की विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Explain Husserl's conception of the nature and aim of Phenomenology.

संवृतिशास्त्रवाद के स्वरूप और प्रयोजन के सम्बन्ध में हुसर्ल की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

3. Explain and examine the maxim, "Existence Precedes Essence". Who is the author of this maxim? 50

"अस्तित्व सरसता का पूर्ववर्ती है", व्याख्या व परीक्षण कीजिए। उक्ति का रचयिता कौन है?

OR / अथवा

Explain and evaluate the correspondence and coherence theories of Truth.

सत्य के संवादिता और संसक्तता सिद्धान्तों की व्याख्या और मूल्यांकन कीजिए।

www.prepp.in

SECTION—II
खण्ड—II

4. Answer the following short answer-type questions : 10×5=50

(a) Discuss the nature and scope of Philosophy.

(b) Why do the logical positivists reject metaphysics? Explain.

(c) What is the problem of Evil? God is not responsible for it. Explain.

(d) What is the relation between Philosophy and Religion? Explain.

(e) Discuss the nature of 'Nirvāṇa' according to Buddha.

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(क) दर्शनशास्त्र के स्वरूप और क्षेत्र की व्याख्या कीजिए।

(ख) तार्किक प्रत्यक्षवादी तत्त्वमीमांसा को क्यों स्वीकार नहीं करते हैं? व्याख्या कीजिए।

(ग) अशुभ समस्या क्या है? ईश्वर अशुभ के लिए उत्तरदायी नहीं है। व्याख्या कीजिए।

(घ) दर्शनशास्त्र और धर्म में क्या सम्बन्ध है? व्याख्या कीजिए।

(ङ) बुद्ध के अनुसार 'निर्वाण' के स्वरूप का विवेचन कीजिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

5. Describe the salient features of Communism. 50

साम्यवाद के प्रमुख लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Explain Locke's refutation of Innate Ideas.

लॉक द्वारा जन्मजात प्रत्यय के खण्डन की व्याख्या कीजिए।

6. Critically explain the doctrine of Anātmavāda according to Buddha. 50

बुद्ध के अनात्मवाद सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

OR / अथवा

Discuss critically the main elements of Socialism.

समाजवाद के मुख्य तत्त्वों की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

★★★